

## असाबाररण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं**० 26]** नई विल्ली, शामिबार, जनवरी 30, 1982/माघ 10, 1903

No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 30, 1982/MAGHA 10, 1903

इस भाग में भिन्न पूछ संस्था की जाती है जिससे कि यह शलग संकलन के कप में रका जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

## वित मंद्रालय

करेबीय उत्पाद शुक्त समाहर्ता का कार्यालय : बस्बई-II बाह्यसुवाना संग्सी र्वा (बार) 3/81

बम्बई, 12 नवम्बर 1981

सा० का० नि० 34(श).—केन्द्रीय उत्पाद शुरुक निग्रमावशी, 1944 के निग्रम 5 के ग्राधीन प्रदत्त शिक्सियों का प्रयोग करते हुये में विजय कुमार गुप्ता, समाहर्ता केन्द्रीग्न उत्पाद शुरुक, बम्बई, एतव्हारा यहां दिये गये विवरण के स्तम्भ 3 में विनिविष्ट श्रेणी से नीचे नहीं, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक ग्राधिकारियों को, उनके ग्रापने-ग्रपने क्षेत्राधिकार में, उक्त विवरण के स्तम्भ 4 के तरस्यानी प्रविध्यों में विनिविष्ट मर्यादाशों के तहत, कथित विवरण के स्तम्भ

1 धीर 2 के तस्त्यानी प्रविध्ि में विनिर्विष्ट केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 मधीन तमाहर्ता की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता हूं, प्रयोत्:—

### विवरण

के० उ० णु० नियमावसी, 1944	प्रस्थाौजित गक्तिका अधिकारी जि स्वरूप प्रत्यायोजित किय गया		ते मयांवा	
1	2	3	4	
			शुल्क भन्तर्पस्त करने वाले मामले	
19(2)	भुल्क भाफी की गणित	(क) उपसमाहर्ता	रु० 2500/- से ज्यादा, पर	
27(4) 147	-		र० 5000/- से ज्यादा महीं ।	
तथा 196 (1)		(ख) सहायक	रु॰ 1000/- से ज्यादा, पर	
		समाहर्ता	रु० 2500/- से ज्यावा नहीं ।	
		(ग) मधीक्षक	रु० 1000/- से ज्यावा नहीं !	
	विनिर्माता द्वारा		मुल्क ग्रन्तर्गस्त करने वाले माम	
49(1) बूसरा	खपत या विपणन के	(क) उपसमाहर्ता	रु० 2500/- से ज्यादा, पर	
पर <b>न्तु</b> क <sup>1</sup>	लिये अनुपयुक्त बोषित		रु० 5000/- से ज्यादा नहीं	
	्रेसे किसी माल पर	(ख) सहाायक	रु॰ 1000/- से ज्यादा, <b>प</b> र	
	भीष शुक्क को न मांगने	समाह्ती	रं∘ 2500/- से ज्यादा, नहीं।	
	के लिये शतों को श्रिध रोपित करने की शक्ति		<b>र</b> ० 1000/- ृसे ज्यावा नहीं ।	

[फा० सं० V-सामान्य(8)21/81] विजय कुमार गुप्ता, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद सुरुक। बस्यर्द-II

#### MINISTRY OF FINANCE

# Office of the Collector of Central Excise: Bombay-II

Notification No. CE(R) 3/81 dated 12-11-1981.

Bombay, the 12th November, 1981

G.S.R. 34(E).—In exercise of the powers conferred on me under rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, V.K. Gupta, Collector of Central Excise, Bombay, hereby authorise the Central Excise officers not below the rank specified in column 3 of the statement hereto annexed, to exercise within their respective jurisdiction, powers of the Collector under the Central Excise Rules, 1944, specified in the

भारत का राजपत्न : ग्रसाधारण

corresponding entry in columns 1 and 2 of the said statement subject to the limitations specified in the corresponding entries in column 4 thereof, namely—

#### STATEMENT

C.E. Rules, 1944	Nature of power delegated	Officer to whom delegated	Limitation	
1	2	3	4	
19(2) 27(4) 147	Power to remit duty	(a) Dy. Collector	Cases involving duty exceeding Rs. 2500/- but not exceeding Rs. 5000/	
& 196(1)		(b) Asstt. Collr.	Exceeding Rs. 1000/-but not exceeding Rs. 2500/	
		(c) Supdt.	Not exceeding Rs. 1000/-	
49(1) 2nd Proviso	Power to impose conditions for not demanding duty due on any	(a) Dy. Collector	Cases involving duty exceeding Rs. 2500/- but not exceeding Rs. 5000/	
	goods claimed by the manufacturer as unfit	(b) Asstt. Collr.	Exceeding Rs. 1000/- but not exceeding Rs. 2500/	
	for consumption or marketing.	(c) Supdt.	Not exceeding Rs. 1000/-	

[F. No. V-Gen(8)21/31] V.K. GUPTA, Collector of Central Excise, Bombay-II.